संपादकीय

और कोई रास्ता नहीं

विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी बात को जनता के बीच ले जाने की है। इसका रास्ता जनता के बीच जाकर और वहीं से राजनीति को शक्ल देने की कोशिश के जरिए ही निकल सकता है।

कांग्रेस ने अगर इस संदेश को आत्मसात कर लिया है कि अब जनता के बीच जाने और वहीं से अपनी राजनीति को नई शक्ल देने के अलावा कोई रास्ता नहीं है, तो कहा जा सकता है कि यहां से एक नई शुरुआत हो सकती है। हालांकि ऐसी ही समझ के साथ राहुल गांधी ने पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। उस प्रयोग का कुल अनुभव सकारात्मक रहा। बल्कि कई लोगों की तो समझ है कि राहुल गांधी अगर वर्तमान सत्ता के निशाने पर आए हैं, तो उसकी एक खास वजह उस यात्रा से उनका बढ़ा कद है। इस बढ़े कद के कारण उनकी बातें ज्यादा गंभीरता से सुनी जाने लगी हैं। इसकी कीमत उन्हें अपनी सांसदी गंवाने के रूप में चुकानी पड़ी है। लेकिन विपक्ष की सियासत करने की कीमत चुकाने वाले वे अकेले नेता नहीं हैं। इसकी सूची लंबी है। फर्क सिर्फ इतना है कि राहुल गांधी ने वर्तमान सत्ता की शक्ति के आधारों की बेहतर पहचान की है, इसलिए इनसे संघर्ष की अधिक उपयुक्त रणनीति वे सोच पाए हैं। बाकी नेताओं का अभी तक चुनावी गठबंधनों और अन्य परंपरागत तरीकों पर भरोसा बना हुआ है।

उन्हें इस बात का अहसास नहीं है कि भारत में चुनावों में मुकाबले का धरातल अब समान नहीं रह गया है। धन-बल, एकतरफा संस्थागत झुकाव और प्रचार शक्ति के मामले में उनकी तुलना में भारतीय जनता पार्टी इतनी अधिक सशक्त हो चुकी है कि सिर्फ मतदाताओं की विद्रोही मुद्रा ही उसे हरा सकती है। लेकिन ऐसी मुद्रा गढ़ने में भी प्रचार तंत्र की ही बड़ी भूमिका होती है, इसलिए अभी तक जनता के मूड में आमूल बदलाव का भी कोई संकेत नहीं है। जाहिरा तौर पर विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी बात को जनता के बीच ले जाने और अपने मुद्दों पर मतदाताओं के बहुमत को गोलबंद करने की है। इसका रास्ता जनता के बीच जाकर और वहीं से राजनीति को शक्ल देने की कोशिश के जरिए ही निकल सकता है। कांग्रेस ने इस दिशा में पहल की है। बहरहाल, वह कितनी देर तक इस कठिन राह पर चल पाएगी, इसको लेकर अगर लोगों में संदेह है, तो उसे निराधार नहीं रहा जा सकता।

एक अप्रैल से यूपीआई से लेन-देन होगा महंगा, 2000 रुपये से ज्यादा के पेमेंट पर देने होंगे एक्स्ट्रा चार्ज!

नई दिल्ली। यूपीआई से लेन देन करने वालों के लिए बड़ी खबर है। 1 अप्रैल 2023 से नया वित्त वर्ष शुरू होने जा रहा है। इसकी शुरुआत के साथ ही यूपीआई से लेन-देन भी महंगा होने वाला है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस पेमेंट को लेकर एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें अप्रैल की पहली तारीख से यूपीआई से होने वाले मर्चेंट पेमेंट पर यूपीआई चार्ज लगाने की सिफारिश की गई है।

मीडिया की खबर के मुताबिक, मंगलवार को जारी किए गए इस सर्कुलर के मुताबिक यूपीआई ने इंटरचेंज लगाया जा सकता है। ये चार्ज 0.5-1.1 फीसदी लगाए जाने की सिफारिश की गई है। सर्कुलर में यूपीआई के जरिए 2,000 रुपये से ज्यादा के ट्रांजेक्शन पर 1.1 फीसदी प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट यानि यूपीआई लगाने का सुझाव दिया गया है। यह चार्ज मर्चेंट ट्रांजैक्शंस यानी व्यापारियों को पेमेंट करने वाले यूजर्स को देना पड़ेगा।

यूपीआई के सर्कुलर से संकेत मिल रहे हैं कि 1 अप्रैल से पेमेंट यानी गूगल पे , फोन पे और पेटीएम जैसे डिजिटल माध्यम से अगर आप 2,000 रुपये से ज्यादा का पेमेंट करेंगे, तो फिर आपको इसके लिए ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 70 फीसदी लेन-देन 2,000 रुपये से अधिक के मूल्य होते हैं, ऐसे में इन पर 0।5 से लगभग 1।1 फीसदी का इंटरचेंज लगाया जा सकता है।

बता दें, में वॉलेट या कार्ड के जरिए ट्रांजैक्शन आता है। आम तौर पर इंटरचेंज फीस कार्ड भुगतान से जुड़ी हुई होती है और इसे लेन-देन को स्वीकार करने और लागत को कवर करने के लिए लागू किया जाता है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ने अपने सर्कुलर में कहा है कि इस नए नियम को 1 अप्रैल से लागू करने के बाद इसका समीक्षा 30 सितंबर, 2023 से पहले करेगा।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ने अलग-अलग क्षेत्र के लिए अलग-अलग इंटरचेंज फीस निर्धारित की है। फार्मिंग और टेलीकॉम सेक्टर में सबसे कम इंटरचेंज फीस वसूली जाएगा। दरअसल, इंटरजेंज फीस मर्चेंट ट्रांजैक्शंस यानी व्यापारियों को पेमेंट करने वाले यूजर्स को ही देना पड़ेगा। इस सर्कुलर के मुताबिक बैंक अकाउंट और वॉलेट के बीच पीयर-टू-पीयर और पीयर-टू-पीयर-मर्चेंट में किसी तरह के ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं देना होगा।

पीएसबी के पुनर्पूजीकरण में कमियां देखी गईं : कैग रिपोर्ट

नई दिल्ली। कैग की एक अनुपालन ऑडिट रिपोर्ट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के पुनर्पूजीकरण में कमियां पाई गई हैं। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने ऋण वृद्धि के लिए पीएसबी का पुनर्पूजीकरण किया है, नियामक पूंजी की आवश्यकता को पूरा किया है, भारतीय रिजर्व बैंक के त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई ढांचे के तहत रखे गए बेहतर प्रदर्शन करने वाले पीएसबी को इससे बाहर आने और समामेलन के कारण पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सुसज्जित किया है।

कैग की रिपोर्ट में पाया गया कि डीएफएस ने 2017-18 में एसबीआई में क्रेडिट ग्रोथ के लिए 8,800 करोड़ रुपये का निवेश किया, इसे देश का सबसे बड़ा पीएसबी माना, जबकि कोई मांग नहीं थी। डीएफएस ने पुनर्पूजीकरण से पहले अपने स्वयं के मानक अभ्यास के अनुसार पूंजी आवश्यकता का आकलन नहीं किया।

कैग की रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि पीएसबी का पुनर्पूजीकरण करते समय डीएफएस ने आरबीआई द्वारा निर्धारित मानदंडों के ऊपर और ऊपर कुशन पर विचार किया। आरबीआई ने पहले ही भारत में बैंकों पर अतिरिक्त 1 प्रतिशत की बढ़ी हुई पूंजी आवश्यकता निर्धारित की थी। इसके परिणामस्वरूप 7,785.81 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रवाह हुआ। ऑडिट में यह भी पाया गया कि डीएफएस ने 2019-20 में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 831 करोड़ रुपये डाले, जबकि बैंक ने 798 करोड़ रुपये की मांग की थी, ताकि 33 करोड़ रुपये की राशि के सरेंडर से बचा जा सके।

मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए केंद्र सरकार (आर्थिक और सेवा मंत्रालय - सिविल) पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2023 की अनुपालन ऑडिट रिपोर्ट संख्या 1 सोमवार को संसद में पेश की गई।

आईपीएल के शुरूआती चरण में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में ही खेलेंगे स्टोक्स

मुंबई। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के शुरूआती चरण में चेन्नई सुपर किंग्स के विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में ही खेलेंगे ।इस स्टार हरफनमौला को चार बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स ने पिछले साल दिसंबर में हुई नीलामी में 16 करोड़ 25 लाख रूपये में खरीदा था । वह पिछले सप्ताह भारत आ गए हैं और 31 मार्च से शुरू हो रहे इस सत्र के लिये अभ्यास शुरू कर दिया है ।

रिपोर्ट के अनुसार घुटने की चोट से उबरे स्टोक्स शुरूआत में बल्लेबाज के तौर पर ही खेलेंगे । बायें पैर के घुटने में लगातार चोटों से परेशान स्टोक्स न्यूजीलैंड दौरे पर दो टेस्ट में नौ ही ओवर डाल सके थे । इंग्लैंड को जून में आस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज श्रृंखला खेलनी है ।

सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने इसकी पुष्टि की कि स्टोक्स आईपीएल के शुरूआती मैचों में गेंदबाजी नहीं करेंगे ।उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि वह बल्लेबाज के तौर पर ही खेलेंगे ।

1 अप्रैल से पैरासिटामोल समेत 900 दवाओं के 12प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली। महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को 1 अप्रैल के एक और झटका लगने वाला है और अब जरूरी दवाओं के लिए लोगों को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। एक अप्रैल से पेनकिलर्स से लेकर एंटीबायोटिक समेत कई जरूरी दवाओं के दाम बढ़ने वाले हैं। बता दें कि जरूरी दवाओं की कीमतों में 12 फीसदी की बढ़ोतरी तय की गई है।

पेन किलर, एंटी इंफेक्शन और दिल की बीमारियों की दवाइयों से लेकर एंटीबायोटिक्स दवाओं की कीमतें उनमें शामिल हैं जिनकी कीमतें 1 अप्रैल से बढ़ने जा रही है। सरकार ने दवा कंपनियों को एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स में बदलाव के अनुरूप दवा की कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। जिन दवाइयों की कीमतें बढ़ेंगी, उनमें पैरासिटामोल भी शामिल है, जिसका सामान्य बुखार और दर्द में इस्तेमाल होता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पेनकिलर्स, एंटी-इन्फेक्टिव्स, एंटीबायोटिक्स और दिल की दवाओं सहित लगभग 900 दवाओं की कीमत 12 प्रतिशत से ज्यादा तक बढ़ सकती है। मालूम हो कि यह लगातार दूसरा साल है जब अनुसूचित दवाओं की कीमतों में वृद्धि गैर-अनुसूचित दवाओं की तुलना में अधिक होगी। अनुसूचित दवाएं आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची का हिस्सा हैं।

गौरतलब है कि दवा मूल्य नियामक नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को हर साल 1 अप्रैल या उससे पहले पिछले कैलेंडर वर्ष के एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स के मुताबिक अनुसूचित दवाओं की कीमत को संशोधित या बढ़ाने की अनुमति है। कीमत को संशोधित करने और बढ़ाने को लेकर अनुसूचित ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013 के क्लॉज 16 में नियम बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों से कहा, कर्जदारों को धोखेबाज करार देने से पहले सुनवाई करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि 1 जुलाई, 2016 के भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर सर्कुलर के अनुसार, बैंकों को कर्जदारों के खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले खाताधारक की व्यक्तिगत सुनवाई करनी चाहिए। धोखाधड़ी के रूप में एक खाता न केवल कर्जदार के व्यवसाय और साख को प्रभावित करता है, बल्कि प्रतिष्ठा के अधिकार को भी प्रभावित करता है। शीर्ष अदालत ने इस तर्क को स्वीकार किया कि किसी खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने की बैंकों की कार्रवाई लांछन है और आगे कहा कि वित्त जुटाने से रोकना उधारकर्ता के लिए घातक हो सकता है और इससे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत मिले उसके अधिकारों के हनन के अलावा उसकी सिविल डेथ हो सकती है।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने लगातार माना है कि किसी व्यक्ति को काली सूची में डालने से पहले सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए।

इसने नोट किया कि एक उधारकर्ता के खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से उधारकर्ता को व्यवसाय के उद्देश्य के लिए संस्थागत वित्त तक पहुंचने से रोकने का प्रभाव पड़ता है और यह महत्वपूर्ण नागरिक परिणामों को भी शामिल करता है, क्योंकि यह उधारकर्ता के व्यवसाय के भविष्य को खतरे में डालता है।

पीठ ने जोर देकर कहा कि धोखाधड़ी पर मास्टर निर्देशों के खंड 8.12.1 के तहत उधारकर्ता को संस्थागत वित्त तक पहुंचने से रोकने से पहले प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को सुनवाई का अवसर देना आवश्यक है। एक खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने की कार्रवाई न केवल उधारकर्ता के व्यवसाय और सद्भावना को प्रभावित करती है, बल्कि प्रतिष्ठा के अधिकार को भी प्रभावित करती है।

हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले सुनवाई के अवसर की जरूरत नहीं है।

पीठ की ओर से फैसला लिखने वाले मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने 59 पन्नों के अपने फैसले में कहा निष्पक्षता के सिद्धांतों की जरूरत है कि खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले उधारकर्ता को सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। धोखाधड़ी पर मास्टर निदेशों के तहत निर्धारित प्रक्रिया।

नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के लिए 38 हजार करोड़ रुपये आवंटित

नई दिल्ली। जहां मौजूदा हवाईअड्डों के विकास के लिए लगभग 60,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, वहीं अगले पांच वर्षों में नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए लगभग 38,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। हवाईअड्डों का उन्नयन और आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा विकासकर्ताओं द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक विचार, यातायात की मांग और सरकार की इच्छा के आधार पर किया जाता है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राज्यसभा को बताया कि एएआई और अन्य हवाईअड्डा डेवलपर्स ने मौजूदा टर्मिनलों के विस्तार और आधुनिकीकरण, नए टर्मिनलों और रनवे के सुदृढ़ीकरण सहित अन्य गतिविधियों के लिए अगले पांच वर्षों में हवाईअड्डा क्षेत्र में लगभग 98,000 करोड़ रुपये के पूंजी परिव्यय का लक्ष्य रखा है। भारत सरकार ने 45,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल अनुमानित परियोजना लागत पर 21 नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इनमें से दुर्गापुर, शिर्डी, कन्नूर, पकयोंग, कालाबुरगी, ओरवाकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर, ईटानगर, मोपा और शिवमोग्गा सहित 11 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे चालू हो गए हैं। हवाईअड्डों के निर्माण या उन्नयन संबंधित हवाईअड्डा डेवलपर्स द्वारा किया जाता है। इसकी समय-सीमा विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरी, बाधाओं को दूर करना, वित्तीय समापन आदि। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन और कोविड-19 महामारी के अन्य प्रभाव जैसे जनशक्ति का वियोजन, आपूर्ति श्रृंखला का बंद होना आदि और अभूतपूर्व प्रतिकूल मौसम की स्थिति एएआई द्वारा शुरू की गई उन्नयन परियोजनाओं में देरी के लिए मुख्य जिम्मेदार कारक रहे हैं। प्रश्न के जवाब में कहा गया कि परियोजनाओं के वित्तपोषण सहित हवाईअड्डा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों सहित संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ताओं की है।

त्वचा के लिए फायदेमंद है अल्फा लिपोइक एसिड, जानिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

बुढ़ापा एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इससे कोई नहीं बच सकता है। हालांकि, आप त्वचा पर बढ़ती उम्र के प्रभाव को धीमा करने के लिए अल्फा लिपोइक एसिड का उपयोग कर सकते हैं। यह शक्तिशाली एंटी-एजिंग घटक त्वचा को टाइट कर सकता है और इसे युवा बनाए रख सकता है। यदि आपने इसके बारे में कभी नहीं सुना है तो आइए आज हम आपको अल्फा लिपोइक एसिड के फायदे, संभावित जोखिम और उपयोग का तरीका बताते हैं।

अल्फा लिपोइक एसिड क्या है?- अल्फा लिपोइक एसिड को लिपोइक एसिड और थियोक्टिक एसिड भी कहा जाता है। यह एक एंटी-ऑक्सीडेंट है। ऐसा माना जाता है कि इसमें कई लाभकारी गुण होते हैं। यह जानवरों के लिवर और किडनी के अलावा पालक, ब्रोकोली और आलू जैसी सब्जियों में पाया जाता है। इसके बहुमुखी उपयोग हैं और इसकी मात्रा दवाओं के साथ-साथ मौखिक स्वास्थ्य के उत्पादों और त्वचा की देखभाल वाले उत्पादों में मौजूद होती है।

अल्फा लिपोइक एसिड के फायदे- अल्फा लिपोइक एसिड हानिकारक मुक्त कणों को बेअसर कर सकता है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। यह एंटी-एजिंग घटक के रूप में कार्य करके त्वचा से महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने में मदद कर सकता है। अल्फा-लिपोइक एसिड त्वचा को साफ और चिकनी बना सकता है। यह त्वचा को सूरज की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से भी बचा सकता है। यह त्वचा में नमी बनाए रखने में भी सहायक है।

किस तरह की त्वचा के लिए सही है अल्फा लिपोइक एसिड?- अल्फा लिपोइक एसिड हर प्रकार की त्वचा पर उपयोग किया जा सकता है। अगर आप अपनी त्वचा की बनावट में सुधार और मुंहासों को दूर करने या समय से पहले उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकना चाहते हैं तो अल्फा लिपोइक एसिड आपके लिए लाभदायक है। इसके एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण आपकी त्वचा को आराम देते हैं और मुंहासों के लक्षणों को कम करते हैं।

अल्फा लिपोइक एसिड का उपयोग कैसे करें?- अगर आप अल्फा लिपोइक एसिड युक्त त्वचा की देखभाल वाले उत्पादों का उपयोग पाउडर फॉर्मूले में करते हैं तो इसे लगाने से पहले इसे थोड़े से पानी या हल्के लोशन के साथ मिलाएं। आप अल्फा लिपोइक एसिड युक्त क्रीम, जेल या फिर सीरम आदि भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इनके उपयोग से पहले चेहरे को धो लें। अल्फा लिपोइक एसिड युक्त उत्पादों को पूरे चेहरे या झुर्रियों से प्रभावित क्षेत्रों पर दिन में दो बार लगाएं।

अल्फा लिपोइक एसिड के नुकसान- अल्फा लिपोइक एसिड सभी प्रकार की त्वचा पर इस्तेमाल करने के लिए सुरक्षित है, लेकिन कुछ मामलों में यह एलर्जी या जलन पैदा कर सकता है। रैश, जलन, खुजली, जलन, लालिमा और सूजन आदि अल्फा लिपोइक एसिड के कुछ सामान्य दुष्प्रभाव हैं। इसके कारण सलाह दी जाती है कि अल्फा लिपोइक युक्त उत्पादों का उपयोग करने से पहले हमेशा अपनी त्वचा पर उसका पैच टेस्ट जरूर करें।

राम चरण के जन्मदिन पर उनकी 16वीं फिल्म का ऐलान, निर्माताओं ने जारी किया पोस्टर

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता राम चरण 27 मार्च को अपना 37वां जन्मदिन मनाए। यह जन्मदिन उनके प्रशंसकों के लिए बेहद खास है क्योंकि राम चरण की एक के बाद एक फिल्मों को लेकर अहम जानकारियां सामने आए। एस शंकर द्वारा निर्देशित गेम चेंजर के बाद अब राम चरण की आगामी फिल्म आरसी 16 का पहला पोस्टर सामने आ चुका है। हालांकि, अभी निर्माताओं ने इसके शीर्षक का ऐलान नहीं किया है।

इसका निर्देशन बुच्ची बाबू सना द्वारा किया जाएगा। उन्होंने अपने ट्विटर पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा करते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो राम चरण। चमकते रहो और दूसरों को अपने काम और दयालुता से प्रेरित करते रहो। यह फिल्म वृद्धि सिनेमाज और सुकुमार राइटिंग के बैनर तले बड़े पैमाने पर बड़े बजट के साथ बनाई जाएगी।

आज का राशिफल

मेष : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप लम्बे समय से रुके कार्यों को समाप्त करने में सफल हो सकते हैं। किसी खास व्यक्ति से आपको सहयोग मिल सकता है। सम्बधियों से मुलाकात कर मधुरता बढ़ेगी। यात्रा की योजना बनेगी।

वृष : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपका मन सामाजिक कार्यों की तरफ रहेगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े छात्रों को बेहतर परिणाम हासिल होंगे। साथ ही जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनके लिए दिन फेवरेबल है।

मिथुन : आज आपका दिन बढिय़ा रहेगा। आपको किसी खास काम में सफलता हासिल होगी। आप अपनी ताकत और प्रतिष्ठा से पहचाने जायेंगे। आप किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित होंगे।

कर्क : आज आपका दिन सामान्य रहेगा । आपके सभी काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप बच्चों के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं। साथ ही आप अपने किसी रिश्तेदार को भी साथ ले जा सकते हैं।

सिंह : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप दोस्तों के साथ कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। हालांकि आपकी आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव रहेगा। आपको किसी काम से अलग से भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या : आज आपका दिन मनोनुकूल रहेगा। रूके हुए कामों में आपको किसी मित्र की मदद मिलेगी। आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेगी, जिन्हें पूरा करने में आप सफल होंगे। पहले किये गये अच्छे कामों का आपको फायदा मिलेगा।

तुला : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है। कारोबारियों को बड़ा फायदा हो सकता है। आपकी समझदारी आपको हर प्रकार की मुसीबतों से दूर रखने में सहायता करेगी।

वृश्चिक : आज आपका दिन शानदार रहेगा। शाम तक आपके घर में खुशी का माहौल बनेगा। साथ ही रिश्तेदारों का घर पर आना-जाना उत्तम रहेगा। प्रेमी के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। बाहर जाते समय रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। ऑफिस में आपका कॉन्फिडेन्स देखकर बॉस आपसे खुश हो जाएंगे।

मकर : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। साथ ही आप उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बना सकते हैं। किसी अनजान व्यक्ति पर आपको भरोसा करने से बचना चाहिए।

कुंभ : आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आप अपनी काबिलियत से काम को सरलता पूर्वक पूरा कर लेंगे। धन लाभ में इजाफा होगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा। स्वास्थ्य के मामले में आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन : आज आप अपनी ऊर्जा का अच्छे कामों सदुपयोग करेंगे। सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। शैक्षणिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य- 338

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

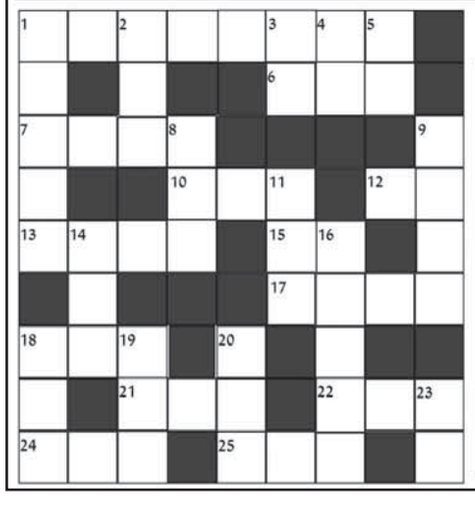

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 017 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सू-दोकू- 338

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 017 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4